RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 129
दि. 08.09.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ने श्री नारायण की जयंती पर उनके दर्शन को याद किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री नारायण की जयंती पर उनके दर्शन और हमारे सामाजिक तथा आध्यात्मिक परिदृश्य पर इनके प्रभाव को याद किया है। श्री मोदी ने कहा, "समानता, करुणा और सार्वभौमिक भाईचारे की उनकी शिक्षाएं व्यापक रूप से गूंजती हैं।" प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया; "श्री नारायण गुरु की जयंती पर, हम उनके दृष्टिकोण और हमारे सामाजिक एवं आध्यात्मिक परिदृश्य पर उनके प्रभाव को याद करते हैं। समानता, करुणा और विश्व बंधुत्व की उनकी शिक्षाएँ व्यापक रूप से गूंजती हैं।

'भारत-अमेरिका के बीच एक मजबूत साझेदारी', राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दोस्त वाले बयान पर पीएम मोदी बोले

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर जवाब दिया, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि दोनों नेता हमेशा दोस्त रहेंगे। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि, 'वो ट्रंप की बातों और भारत-अमेरिका रिश्तों को लेकर उनके सकारात्मक नजरिए की दिल से सराहना करते हैं।

मोदी ने आगे कहा कि भारत और अमेरिका के बीच एक मजबूत, सकारात्मक और दूर की सोच वाली साझेदारी है। ये बात दोनों नेताओं की आपसी समझ और दोस्ती की गहराई को भी दिखाती है।

ट्रंप ने क्या कहा था?

व्हाइट हाउस में भारत-अमेरिका रिश्तों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई अहम बयान दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते

हुए कहा, 'मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूंगा, वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। भारत और अमेरिका के बीच एक खास रिश्ता है। इसमें चिंता करने जैसी कोई बात नहीं है।'

जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर क्ल्र्ल्र्र्ि२ 'ड्ढ्ढश्र्ल्लॅ जैसा पोस्ट किया था, तो उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हमने ऐसा कहा है।' उन्होंने आगे कहा,'मेरे और प्रधानमंत्री मोदी के रिश्ते बहुत अच्छे हैं। कुछ महीने पहले वे यहां व्हाइट हाउस आए थे और हम रोज गार्डन में साथ थे।'

ट्रंप ने पीएम मोदी-पुतिन और शी जिनपिंग की साथ वाली तस्वीर पोस्ट की

बता दें कि, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 5 सितंबर को ट्रुथ सोशल पर रउड समिट में पीएम मोदी-पुतिन और शी जिनपिंग की साथ वाली तस्वीर को पोस्ट करते हुए लिखा था कि, 'लगता है हमने भारत और रूस को सबसे गहरे, अंधकारमय चीन के हाथों खो दिया है। उन्हें एक लंबा और समृद्ध भविष्य मिले।'

7 सितंबर को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ, जानिए आवेदन प्रक्रिया और पात्रता की शर्तें

(जीएनएस)।

बिहार में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 7 सितंबर (रविवार) को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ करेंगे। इस मौके पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार भी मौजूद रहेंगे।

कैसे करें आवेदन?

शहरी क्षेत्र की महिलाएं नगर निकाय क्षेत्र के लिए लॉन्च होने वाले वेब पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं अपने पंचायत/ब्लॉक कार्यालय में जाकर ऑफलाइन फॉर्म भर सकेंगी।

कब आएंगे पैसे?

योजना के तहत हर परिवार की एक महिला को रोजगार शुरू करने के लिए 10,000 रुपये की पहली किस्त मिलेगी। 7 सितंबर से रजिस्ट्रेशन शुरू होगी। 15 सितंबर से सीधे बैंक खाते में पैसे भेजे जाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

योजना का उद्देश्य

हर परिवार की एक महिला को आर्थिक सहयोग देना।

महिलाओं को स्व-रोजगार के लिए प्रोत्साहित करना।

परिवार और समाज की आर्थिक स्थिति मजबूत करना।

भविष्य में मिलने वाला लाभ

पहली किस्त 10 हजार रुपये मिलने के बाद,

रोजगार की प्रगति देखने के लिए 6 महीने बाद समीक्षा होगी।

सफल होने पर महिलाओं को आगे चलकर 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त आर्थिक मदद भी दी जाएगी।

अमेरिका से तनातनी के बीच पीएम मोदी का बड़ा फैसला, यूएन महासभा में नहीं होंगे शामिल, कौन रखेगा भारत का पक्ष?

(जीएनएस)।

अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगातार तीखे बयानों ने दिल्ली-वॉशिंगटन रिश्तों में कड़वाहट ला दी है। ट्रंप ने तो यहां तक कह दिया कि अमेरिका, भारत और रूस को चीन के हाथों खो चुका है।' ऊपर से खबर है कि ट्रंप क्वाड बैठक के लिए भारत आने का प्लान भी नहीं बना रहे। ऐसे माहौल में अब प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक ऐसा कदम उठाया है, जिसने कूटनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है- लेकिन उन्होंने ये फैसला क्यों लिया, यही सबसे बड़ा सवाल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार संयुक्त राष्ट्र महासभा (वठत्र्क्ष) के जनरल डिबेट में हिस्सा न लेने का फैसला किया है। उनकी जगह विदेश मंत्री एस. जयशंकर 27 सितंबर को भारत का पक्ष दुनिया के सामने रखेंगे। यह बदलाव अचानक आया है क्योंकि जुलाई में जारी लिस्ट में पीएम मोदी का नाम तय था और वे 26 सितंबर को बोलने वाले थे।

इस बदलाव का मतलब है कि मोदी इस साल उस मंच पर नजर नहीं आएंगे, जहां चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के नेता भी मौजूद रहेंगे। कूटनीतिक हलकों का कहना है कि यह फैसला अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव और वैश्विक समीकरणों को देखते हुए लिया गया हो सकता है। यानी मोदी का 'स्टेप बैक' कहीं ज्यादा रणनीतिक भी हो सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की वापसी

23 सितंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूएनजीए को संबोधित करेंगे। यह उनके व्हाइट हाउस में दूसरी बार वापसी के बाद पहला बड़ा वैश्विक मंच होगा। दिलचस्प यह है कि ट्रंप ने हाल ही में भारत पर रूस से तेल खरीद को लेकर नाराजगी जतायी थी और यहां तक कह दिया कि 'अमेरिका भारत और रूस को चीन के हवाले खो चुका है।' इसके बावजूद उन्होंने मोदी को 'ग्रेट प्राइम मिनिस्टर' कहकर निजी रिश्ते अच्छे होने का दावा किया।

हरियाणा स्टीलर्स ने यूपी योद्धाज को हराया

गगन गौड़ा ने एक बार फिर अपनी चमक दिखाई। गगन ने विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 16वें मैच में मौजूदा चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स के खिलाफ सुपर रेड के साथ 13 अंक जुटाए। शुरूआती 10 मिनट में यूपी का बोलबाला रहा। लेकिन तीन मिनट बचे थे और यूपी ने गुमान सिंह के साथ दांव खेला। आते ही उन्होंने दो अंक लिए और फासला 5 का कर दिया। गुमान अगली रेड पर आउट हुए लेकिन इसी बीच गगन ने सुपर-10 पूरा किया लेकिन यूपी अपना आलआउट नहीं बचा सकी। आलइन के बाद सेतपाल और राहुल अत्री ने हाई-5 पूरा किया और साथ ही हरियाणा ने मैच अपनी गिरफ्त में कर लिया।

जोधपुर में आरएसएस की तीन दिवसीय समन्वय बैठक शुरू, राष्ट्रीय एकता से लेकर शिक्षा नीति तक पर मंथन

(जीएनएस)।

राजस्थान में जोधपुर के लालसागर स्थित आदर्श डिफेंस एंड स्पोर्ट्स परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तीन दिवसीय समन्वय बैठक शुक्रवार को शुरू हुई। 7 सितंबर तक चलने वाली इस बैठक में देश की मौजूदा परिस्थितियों और विभिन्न राज्यों में सामने आ रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा हो रही है।

बैठक की शुरूआत में जमीनी स्तर पर संघ और उससे जुड़े संगठनों के अनुभव साझा किए गए। इसमें विशेष रूप से पंजाब, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों की परिस्थितियों का आकलन किया गया और वहां चल रहे प्रयासों की समीक्षा की गई। संघ ने कहा कि आज भी देश में जाति, भाषा, क्षेत्र और पंथ के नाम पर समाज को विभाजित करने की कोशिशें हो रही हैं,

जो राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए गंभीर खतरा हैं।

बैठक में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, सोदान सिंह, वी सतीश सहित संघ और उससे जुड़े 32 संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। चर्चा का मुख्य केंद्र पंच परिवर्तन (सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली, आत्मनिर्भर व्यवस्था और नागरिक कर्तव्य पालन) रहा। इसके अलावा संघ शताब्दी वर्ष की तैयारियों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने में हो रही प्रगति पर भी विचार किया गया।

इस बीच राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बैठक स्थल पर पहुंचकर संघ प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की। उनके साथ भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और वी सतीश भी मौजूद रहे। बाद में मुख्यमंत्री ने नड्डा से अलग से चर्चा की।

माना जा रहा है कि शनिवार और रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी संघ प्रमुख से मुलाकात कर सकते हैं। शाह की मौजूदगी से इस बैठक का महत्व और बढ़ जाएगा। आरएसएस की यह बैठक न केवल संगठन के भीतर की समीक्षा है, बल्कि आने वाले समय में देश की राजनीतिक और सामाजिक दिशा तय करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

बांसवाड़ाः पीएम मोदी 20 सितंबर को कर सकते हैं 50 हजार करोड़ के न्यूक्लियर पावर प्लांट का शिलान्यास

(जीएनएस)।

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में ऊर्जा क्षेत्र का बड़ा अध्याय जुड़ने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 20 सितंबर को यहां आगमन की संभावना जताई जा रही है। इस दौरान वे करीब 50 हजार करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित 2800 मेगावाट क्षमता के न्यूक्लियर पावर प्लांट का शिलान्यास कर सकते हैं।

इस हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट को लेकर जिला प्रशासन और न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ठढउक्छ) ने तैयारियां तेज कर दी हैं। हालांकि पीएमओ से अभी तक औपचारिक मंजूरी या अधिकृत कार्यक्रम राज्य सरकार व जिला प्रशासन को प्राप्त नहीं हुआ है। इसके बावजूद सुरक्षा से लेकर प्रोटोकॉल तक की व्यवस्थाएं देखी जा रही हैं।

राजस्थान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने जयपुर में मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री का संभावित दौरा बेहद महत्वपूर्ण है और इसे लेकर राजनीतिक व प्रशासनिक स्तर पर समन्वय शुरू कर दिया गया है। उनका कहना था कि पीएम मोदी का यह दौरा राजस्थान के ऊर्जा क्षेत्र को नई पहचान देगा और दक्षिणी राजस्थान के विकास में अहम भूमिका निभाएगा।

2800 मेगावाट क्षमता वाला यह न्यूक्लियर पावर प्लांट राजस्थान का अब तक का सबसे बड़ा ऊर्जा प्रोजेक्ट माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसके शुरू होने से न सिर्फ राज्य बल्कि देशभर में बिजली आपूर्ति को मजबूती मिलेगी। साथ ही, हजारों युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी खुलेंगे।

यदि प्रधानमंत्री का कार्यक्रम तय होता है, तो बांसवाड़ा का यह दौरा राजनीतिक दृष्टि से भी बेहद अहम माना जाएगा। विधानसभा चुनावी माहौल के बीच इतना बड़ा निवेश और पीएम की मौजूदगी सीधे तौर पर जनता को ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे बदलाव का संदेश देगी।

उत्तराखंड:ऑपरेशन कालनेमी के तहत 14 लोगों की गिरफ्तारी

(जीएनएस)।

उत्तराखंड सरकार ने ऑपरेशन कालनेमि के माध्यम से धोखाधड़ी करने वाले आध्यात्मिक नेताओं के खिलाफ अपने प्रयासों को तेज कर दिया है। यह पहल उन व्यक्तियों को लक्षित करती है जो कथित तौर पर धोखे और धार्मिक रूपांतरण में शामिल हैं। पुलिस महानिरीक्षक अपराध एवं कानून-व्यवस्था, नीलेश आनंद भरणे ने बताया कि 5,500 से अधिक व्यक्तियों से पूछताछ की गई है, जिसके परिणामस्वरूप 1,182 लोगों के खिलाफ निवारक कार्रवाई की गई है। जुलाई में ऑपरेशन की शुरूआत के बाद से, अधिकारियों ने 14 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें कुछ बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल हैं। अगस्त में, अधिकारियों ने नोट किया कि 4,000 लोगों से पूछताछ के बाद 300 गिरफ्तारियां की गई थीं। भरणे ने ऑपरेशन की सफलता पर प्रकाश डाला, जिसमें बड़ी संख्या में व्यक्तियों की जांच की गई।

जीएसटी 2.0 के बाद अब रेगुलेटरी सुधार पर सरकार का फोकस, निर्मला सीतारमण ने बताया क्या है पूरा प्लान?

(जीएनएस)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में किए गए जीएसटी दरों में बड़े सुधारों कि इससे उपभोग में तेजी आएगी, जो अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा।

हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में वित्त मंत्री ने बताया कि मंत्रालय का अगला एजेंडा गैर-वित्तीय रेगुलेटर्स पर होगा।

उन्होंने कहा कि यह सुधार लंबे समय से लंबित था और बजट में इसकी घोषणा की गई थी। इनमें प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI), फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) जैसी संस्थाएं शामिल होंगी।

गैर-वित्तीय क्षेत्रों में बड़े सुधार की तैयारी

वित्त मंत्री ने कहा कि एक नियामक सुधार समिति बनाई जाएगी, जो गैर-वित्तीय क्षेत्रों से जुड़े सभी नियम, सर्टिफिकेशन, लाइसेंस और परमिशन की समीक्षा करेगी।

इसका उद्देश्य है -

भरोसे पर आधारित आर्थिक प्रशासन को मजबूत करना।

कारोबार करने की सुगमता को बढ़ाना।

राज्यों को भी इस सुधार प्रक्रिया में जोड़ना।

जीएसटी 2.0: नया ढांचा 22 सितंबर से लागू

हाल ही में जीएसटी परिषद ने बड़ा फैसला लेते हुए दो-स्तरीय दर संरचना को मंजूरी दी है - 5% और 18%। यह नई व्यवस्था 22 सितंबर 2025 से लागू होगी। सीतारमण ने कहा कि वह उत्सुक हैं यह देखने के लिए कि लोग इस सुधार से कैसे लाभान्वित होते हैं।

उन्होंने कहा - "यह चरण बेहद कठिन लेकिन संतोषजनक था। यह जैसे कोई कठिन परीक्षा देना और पास करना। अब असली परीक्षा यह है कि इससे आम लोगों को कितना फायदा होता है।"

गुगल के लिए यूरोपीय यूनियन से क्यों भिड़े डोनाल्ड ट्रम्प? बड़ी कार्रवाई की दे दी धमकी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में यूरोपीय संघ (एव) के उस फैसले पर कड़ी नाराजगी जताई है, जिसमें गूगल पर 3.5 बिलियन डॉलर का जुमार्ना लगाया गया। ट्रंप ने इसे बिल्कुल गलत और भेदभावपूर्ण बताया और साफ कहा कि उनका प्रशासन ऐसी चीजों को बर्दाश्त नहीं करेगा।

यूरोपीय आयोग का कहना है कि गूगल अपनी ऑनलाइन विज्ञापन तकनीक से प्रतिस्पर्धा को नुकसान पहुंचा रहा है, इसलिए उसे यह जुमार्ना देना पड़ा। ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर यूरोप ने ये जुमार्ना वापस नहीं लिया, तो अमेरिकी प्रशासन अमेरिकी निवेश और नौकरियों की रक्षा के लिए कदम उठाएगा।

सम्पादकीय

बढ़ती विद्युत दुर्घटनाएं-जागरूकता की जरूरत

विद्युत सुरक्षा जागरूकता अभियान प्रभावी ढंग से चलाया जाना चाहिए जिससे हर आदमी विद्युत सुरक्षा के नियमों को जान सके और उनका सही प्रयोग करके सुरक्षित रह सके। हमारी थोड़ी सी सावधानी, सजगता एवं समय से बिजली विभाग को दी गईं सूचना सम्भावित बड़ी विद्युत दुर्घटना रोक सकती है तथा कईं लोगों के अमूल्य जीवन की रक्षा कर सकती है। हमारे दैनिक जीवन में बिजली की उपयोगिता काफी बढ़ गईं है। हम निजी जीवन में घर, दफ्तर या काम की अन्य जगहों पर चाहे वह उद्योग हों, वाणिज्यिक संस्थान हों अथवा सार्वजनिक स्थान हो, बिजली का प्रयोग अवश्य ही करते हैं। बिजली न रहने पर ऐसा लगता है कि हमारी दिनचर्या रूक सी गईं है, आज हम दैनिक जीवन के अधिकांश गतिविधियों हेतु बिजली पर निर्भर हो चुके हैं। बिजली ने हमारे जीवन को जहां एक तरफ आरामदायक बनाया, वहीं दूसरी तरफ मामूली सी चूक या लापरवाही होने पर यही बिजली हमारे जान-माल के लिए खतरा भी बन जाती है। कहते हैं कि बिजली एक अच्छा दोस्त है किन्तु, असावधानी/लापरवाही भरा व्यवहार करने पर यह सबसे खतरनाक दुश्मन बन जाती है। देश में विद्युत दुर्घटनाओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, जोकि हमारे लिए बड़ी चिता का विशय बनती जा रही हैं। एक अनुमान के अनुसार भारत में हर साल करीब 12,500 लोगों की मृत्यु बिजली के करंट लगने से ही होती हैं। यानि 30 लोग प्रतिदिन भारत में बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं से मरते हैं, जोकि बहुत ही दुःखद एवं पीड़ादायक है। विद्युत सुरक्षा सम्बन्धी नियमों की जानकारी देकर एवं लोगों को इन नियमों को पालन करने हेतु जागरूक करके हम विद्युत दुर्घटनाओं एवं इसके कारण होने वाली मौतों को काफी हद तक कम कर सकते हैं। वर्तमान में हम देखते हैं कि 11000 वोल्ट या इससे अधिक वोल्टेज की विद्युत लाईनों के नीचे या इन लाईनों से बहुत कम दूरी पर लोग अपना घर बना लेते हैं। कईं बार अपने घर के बारजे को इतना बढ़ा लेते हैं जिससे मकान की छत पर कोईं भी व्यत्ति कार्यं करते समय जरा सी लापरवाही होने पर विद्युत लाईनों के सम्पर्व में आ जाता है और विद्युत दुर्घटना का शिकार हो जाता है। कईं बार विद्युत लाईनों के नीचे से ट्रैक्टर, ट्रक अथवा बस के ऊपर लदे हुये सामान विद्युत लाईन के सम्पर्व में आ जाने के कारण बड़ी विद्युत दुर्घटना हो जाती है। अक्सर बारिश के दिनों में विद्युत पोलों में करंट उतरने अथवा कटी-फटी स्रविस केबिल से टीन-शेड इत्यादि में करंट उतरने के कारण भी विद्युत दुर्घटनायें होती हैं। विद्युत दुर्घटनाओं से बचने के लिए विद्युत सुरक्षा के नियमों की जानकारी होना तथा उनका सख्ती से पालन किया जाना अतिआवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्रों में अभी तक लोगों में विद्युत सुरक्षा नियमों की जानकारी का काफी अभाव दिखता है। घर के अन्दर पंखे में, स्वीच बोर्ड में, वूलर/फरार्टा पंखे, वाशिग मशीन, प्रिज इत्यादि दैनिक उपयोग के विद्युत उपकरणों में करंट उतरने के कारण विद्युत दुर्घटना होने की खबरें प्रायः सुनने को मिलती रहती हैं। घरों के अन्दर विद्युत दुर्घटनायें प्रायः पुराने विद्युत उपकरणों के प्रयोग, पुरानी केबिल जोकि कईं जगह कट-फट गईं है तथा इंश्युलेशन खराब हो गया है, के प्रयोग करने एवं उनको भीगे बदन बिना जूते-चप्पल पहने छूने से हो जाती है। हमारे देश में लोगों की आमदनी जैसे-जैसे बढ़ी है, वैसे-वैसे लोगों का रहन-सहन का स्तर भी सुधरा है तथा हमारे घरों में अधिक विद्युत लोड वाले उपकरणों का उपयोग भी बढ़ गया है। कईं बार हम एक ही विद्युत स्रकिट में एक से ज्यादा विद्युत उपकरण लगा देते हैं, जिस वजह से उस स्रकिट में उसकी क्षमता से ज्यादा करंट बहने से वह गर्म हो जाता है तथा आग लगने से शॉर्ट- स्रकिट होने के कारण विद्युत दुर्घटना हो जाती है। घर के अन्दर होने वाली विद्युत दुर्घटनाओं से बचाव के लिए हमें साल भर में कम से कम एक बार घर की वायरिग खास कर पुराने बने घरों की वायरिग की जाँच किसी अच्छे इलेक्ट्रिशियन के करवानी चाहिए तथा कटे-फटे एवं पुराने तारों को बदल देना चाहिए। किसी भी प्रकार के खुले जोड़ बिजली की तारों में नहीं होने चाहिए। तारों के जोडों को अच्छी क्वालिटी के टेप लगाकर बन्द कर देना चाहिए। जिन घरों की वायरिग 15-20 साल पुरानी है उनकी नईं वायरिग करानी चाहिए क्योंकि पुरानी वायरिग की क्षमता वर्तमान के बढ़े हुए भार वहन नहीं कर सकती हैं।

एयूआरआईसी (ऑरिक) स्मार्ट सिटी ने औद्योगिक उत्कृष्टता और परिवर्तन के छह वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया

71,343 करोड़ रुपये के निवेश की क्षमता वाली 62,405 नौकरियां सृजित करने वाली परियोजनाएं

बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र में 49 एमएसएमई, 27 बड़े पैमाने की परियोजनाओं और 4 गैर-एमएसएमई को भूखंड आवंटित किए गए

20,000 वर्ग फुट प्रतिभाओं को उद्योग की जरूरतों से जोड़ने के लिए सीआईआई के साथ ऑरिक में कौशल विकास केंद्र स्थापित किया जाएगा

(जीएनएस)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित ऑरिक (शेंद्रा-बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र) अपनी छठी वर्षगांठ पर गर्व से औद्योगिक प्रगति, वैश्विक निवेश और सतत विकास की यात्रा का उत्सव मना रहा है। यह राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) के तहत विकसित भारत के पहले ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहरों में से एक है।

ऑरिकः विकास और प्रभाव

छह वर्षों में, औद्योगिक और मिश्रित उपयोग श्रेणियों में 323 भूखंड आवंटित किए गए हैं, जिनमें 3,029 एकड़ औद्योगिक भूमि और 117 एकड़ मिश्रित उपयोग भूमि शामिल है। कुल निवेश क्षमता ₹71,343 करोड़ से अधिक है, जिसमें 62,405 (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) रोजगार की संभावना है।

वर्तमान में, 78 इकाइयां चालू हैं, 62 कारखाने निमार्णाधीन हैं, और 184 इकाइयां निर्माण शुरू करने की तैयारी कर रही हैं।

छह वर्षों में उपलब्धियां

शेन्द्रा औद्योगिक क्षेत्र में 135 एमएसएमई, 17 बड़े पैमाने की परियोजनाओं और 16 गैर-एमएसएमई को भूखंड आवंटित किए गए हैं (जिसमें दक्षिण कोरिया की ह्योसंग जैसी प्रमुख निवेशक शामिल हैं, जिसने भारत में अपना पहला स्पैन्डेक्स संयंत्र यहीं शुरू किया है)।

बिडकीन औद्योगिक क्षेत्र में 49 एमएसएमई, 27 बड़े पैमाने पर परियोजनाओं और 4 गैर-एमएसएमई को भूखंड आवंटित किए गए हैं, जिनमें ऑटोमोबाइल्स, ईवी, पॉलीमर्स, इंजीनियरिंग आदि क्षेत्रों की विश्वस्तरीय कंपनियाँ हैं।

ऑरिक में औद्योगिक भूमि लगभग पूरी तरह से आवंटित हो चुकी है, जो इसके बुनियादी ढांचे और नीतिगत ढांचे में निवेशकों के विश्वास को दशार्ता है।

एमएसएमई और महिला उद्यमियों पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसमें वैशाली अजीत देशपांडे (अनुकुल पावर इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड), डॉ. हर्षाली संदीप देशमुख (टबोनीवा पॉलिमर प्राइवेट लिमिटेड) और सुश्री पायल नाइकवाड़ (रेयॉन इल्यूमिनेशन्स एंड एनर्जी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड) जैसे अग्रणी लोग समावेशी विकास के उदाहरण हैं।

कार्यबल क्षमताओं को बढ़ाने और प्रतिभा को उद्योग के साथ जोड़ने के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के साथ साझेदारी में ऑरिक में 20,000 वर्ग फुट के कौशल विकास केंद्र की स्थापना का प्रस्ताव।

एमएसएमई के लिए ऑरिक में कार्यालय स्थान का किराया 50 रुपये से घटाकर 25 रुपये प्रति वर्ग फुट कर दिया गया है - 1 अप्रैल, 2025 से 50% की कटौती प्रभावी होगी।

शेंद्रा औद्योगिक क्षेत्र

₹6,096 करोड़ के निवेश से 14,455 नौकरियाँ सृजित हुई हैं। प्रमुख निवेशकों में ह्योसंग (दक्षिण कोरिया) शामिल है, जिसने भारत में अपना पहला स्पैन्डेक्स संयंत्र यहीं स्थापित किया है। अन्य उल्लेखनीय निवेशक हैंः पर्किन्स (यूके), फूजी सिल्वरटेक (जापान), ओर्लिकॉन बेकियर्स (लिकटेंस्टीन), सीमेंस (जर्मनी), एनएलएमके (रूस), कोहलर (अमेरिका), कोटॉल फिल्म्स (भारत), एंड्योरेंस कम्प्लीट सॉल्यूशंस (भारत), डेटपैक (भारत) आदि।

बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र

बिडकिन मराठवाड़ा क्षेत्र में तेजी से विकास के इंजन के रूप में उभरा है। इस क्षेत्र ने ₹76,219 करोड़ के बड़े निवेश आकर्षित किए हैं, जिनमें एथर एनर्जी (ईवी), लुब्रीजोल (रसायन), टोयोटा किर्लोस्कर (ऑटोमोबाइल) और जेएसडब्ल्यू ग्रीन मोबिलिटी शामिल हैं, और यहाँ 35,000 से ज्यादा नौकरियों की संभावना है।

राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) के सीईओ एवं एमडी, श्री रजत कुमार सैनी ने कहा, "ऑरिक की यात्रा एनआईसीडीसी स्मार्ट सिटीज के व्यापक दृष्टिकोण को दशार्ती है -

जिसका उद्देश्य विनिर्माण, स्थिरता और समावेशी विकास के भविष्य के लिए तैयार केंद्र बनाना है। मात्र छह वर्षों में, ऑरिक वैश्विक और घरेलू निवेशकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन गया है, और इसने इस बात के मानक स्थापित किए हैं कि कैसे औद्योगिक टाउनशिप एमएसएमई को सशक्त बना सकती हैं, रोजगार सृजित कर सकती हैं और क्षेत्रों का कायाकल्प कर सकती हैं। भविष्य की ओर देखते हुए, हमारा ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि ऑरिक जैसे स्मार्ट शहर आने वाले दशकों तक भारत की विकास गाथा को गति देते रहें।"

ऑरिक निवेशकों को विश्वस्तरीय, प्लग-एंड-प्ले बुनियादी ढाँचा प्रदान करता है जिसमें चौड़ी सड़कें, सुनिश्चित जल और बिजली आपूर्ति, साथ ही उन्नत सीवेज और अपशिष्ट जल उपचार सुविधाएँ शामिल हैं। यह शहर ई-गवर्नेंस, एकल-खिड़की मंजूरी, ऑनलाइन भूमि और भवन योजना अनुमोदन, और एक केंद्रीय कमांड और नियंत्रण प्रणाली जैसे प्रौद्योगिकी-संचालित समाधानों को एकीकृत करता है। बिजली वितरण लाइसेंस और भूमिगत नेटवर्क के साथ, ऑरिक निर्बाध, उच्च-गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धी मूल्य वाली बिजली सुनिश्चित करता है। इस औद्योगिक शहर को ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, आईटी/आईटीईएस और रसायन जैसे क्षेत्रों को कवर करते हुए एक क्षेत्रीय क्लस्टर-आधारित मॉडल पर विकसित किया जा रहा है, जिससे व्यवसायों के विकास के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध होगा।

इस क्षेत्र को समृद्धि महामार्ग, प्रस्तावित संभाजीनगर-पुणे ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे, जालना ड्राई पोर्ट, और औरंगाबाद हवाई अड्डे व प्रमुख रेल संपर्कों की निकटता सहित बहु-मॉडल कनेक्टिविटी का समर्थन प्राप्त है। पीएम गतिशक्ति के साथ जुड़ी ये कनेक्टिविटी पहल, रसद दक्षता को बढ़ाती हैं और ऑरिक को एक प्रतिस्पर्धी निवेश केंद्र बनाती हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ऑरिक, डीएमआईसी (दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा) का एक अभिन्न अंग है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के साथ इसकी कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगा, जिससे छत्रपति संभाजीनगर को एक केंद्रीय विनिर्माण और निवेश केंद्र के रूप में बढ़ावा मिलेगा।

निवेशकों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए नियमित उच्च-स्तरीय सहभागिता से ऑरिक को लाभ मिलता है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल और डीपीआईआईटी सचिव श्री अमरदीप सिंह भाटिया ने निवेशकों से बातचीत करने और जमीनी स्तर पर प्रगति की समीक्षा करने, समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित करने और कारोबारी माहौल में निरंतर सुधार लाने के लिए कई दौरे किए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 7 सितंबर 2019 को ऑरिक सिटी का उद्घाटन किया। इसी अवसर पर, उन्होंने स्मार्ट सिटी के प्रशासनिक और निगरानी केंद्र के रूप में कार्यरत छह मंजिला इमारत, ऑरिक हॉल का उद्घाटन किया, जो प्रौद्योगिकी-सक्षम शासन और व्यापार में आसानी इसकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

2030 तक महाराष्ट्र की 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा में ऑरिक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अपने मजबूत बुनियादी ढाँचे, प्रमुख निवेशकों और रोजगार सृजन के साथ, ऑरिक 2047 तक विकसित भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण में भी योगदान दे रहा है। यह शहर मराठवाड़ा क्षेत्र के लिए निरंतर अवसर प्रदान कर रहा है और विनिर्माण, निर्यात और नवाचार के लिए एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है। केवल छह वर्षों में, ऑरिक औद्योगिक स्मार्ट शहरों के लिए एक केन्द्र बन गया है।

ऑरिक के बारे में

ऑरिक, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर (डीएमआईसी) के अंतर्गत विकसित एक ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट सिटी है। इसका प्रबंधन महाराष्ट्र औद्योगिक टाउनशिप लिमिटेड (एमआईटीएल) द्वारा किया जाता है, जो भारत सरकार और महाराष्ट्र सरकार के संयुक्त उद्यम द्वारा गठित एक विशेष प्रयोजन वाहन है।

शेंड्रा एंड बिडकिन (ऑरिक) घरेलू और वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचा, बड़े, एक-दूसरे से जुड़े भूखंड, प्लग-एंड-प्ले सुविधाएँ और एकल-खिड़की मंजूरियाँ प्रदान करता है। यह ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण आदि क्षेत्रों पर केंद्रित है।

ऑरिक टिकाऊ और समावेशी औद्योगिक विकास के लिए एक मॉडल के रूप में सामने आया है, जो एमएसएमई, बड़े पैमाने के उद्योगों और उद्यमियों के लिए अवसर प्रदान करता है, साथ ही आवासीय और सामाजिक सुविधाओं के साथ संतुलित विकास सुनिश्चित करता है।

डॉ. मनसुख मांडविया ने 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' पहल के तहत नई दिल्ली में सांसदों के साथ साइकिल चलाई; नागरिकों से भारत में निर्मित उत्पाद खरीदने का आग्रह किया

केंद्रीय खेल मंत्री ने अधिकांश खेल वस्तुओं पर जीएसटी दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया, जिससे आम आदमी के लिए खेल सामान खरीदना आसान हो गया

राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने "#गर्वसेस्वदेशी" के लिए समर्थन व्यक्त किया; आत्मनिर्भर एवं स्वस्थ भारत के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की

(जीएनएस)। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' पहल के तहत प्रतिष्ठित इंडिया गेट और कर्तव्य पथ पर सांसदों के साथ साइकिल चलाई। इस पहल का अनूठा विषय 'गर्व से स्वदेशी' है और इसमें भारत में बने उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का 39वां संस्करण भारतीय रेलवे के सहयोग से देश भर में 8000 स्थानों पर आयोजित किया गया। नई दिल्ली में, ओलिंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने सुबह 7 बजे मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम से इस कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई। इसमें 1500 से ज्यादा साइकिल चालक और फिटनेस प्रेमी मौजूद थे। 'संडे ऑन साइकिल' के इस संस्करण में एक नया जुड़ाव देखने को मिलाः 'गर्व से स्वदेशी' उत्सव, जिसमें भारतीय स्पोर्ट्सवियर और फिटनेस ब्रांड्स ने प्रतिभागियों के लिए स्वदेशी उत्पादों के साथ अपने स्टॉल लगाए।

इस कार्यक्रम में शामिल सांसदों में कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, नवीन जिंदल, पुरुषोत्तम रूपाला, प्रभुभाई वसावा, हेमंग जोशी, सुभाष बराला, भोजराज नाग और रमेश बिधूड़ी आदि शामिल हुए।

इस कार्यक्रम में ट्रैक की लंबाई के लिहाज से दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्कों में से एक, भारतीय रेलवे को बधाई दी गई। भारतीय रेलवे के 250 से ज्यादा कर्मचारियों ने इस साइकिलिंग पहल में भाग लिया।

साइकिलिंग रूट पूरा करने के बाद, डॉ. मांडविया ने कहाः "मुझे 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में हमारे नागरिकों की बढ़ती भागीदारी देखकर खुशी हो रही है। यह जन आंदोलन बन गया है और इसने सक्रिय जीवनशैली अपनाने के बारे में काफी जागरूकता फैलाई है। आज, मैंने सांसदों के साथ 'गर्व से स्वदेशी' विषय के अंतर्गत साइकिल चलाई। मैं इस अवसर पर सभी नागरिकों से भारत में निर्मित उत्पादों का उपयोग करने का आग्रह करता हूँ।"

खेल के सामान पर हाल ही में की गई जीएसटी कटौती पर, डॉ. मांडविया ने कहा, "हम ज्यादातर खेल के सामान पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आभारी हैं। इससे ये सामान नागरिकों के लिए किफायती हो जाएँगे और उन्हें खेल और फिटनेस गतिविधियों में ज्यादा सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करेंगे। ज्यादा माँग से भारतीय खेल सामान निर्माण इकाइयों के उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा और खेल पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत होगा।"

युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में कहाः "दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में #'संडे ऑन साइकिल' के 39वें संस्करण में शामिल होकर गौरवान्वित महसूस कर रही हूँ। यह माननीय केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया जी के नेतृत्व में उल्लेखनीय फिटनेस अभियान है। इस कार्यक्रम में माननीय सांसद, ओलिंपिक चैंपियन साक्षी मलिक और साई एवं भारतीय रेलवे के गणमान्य व्यक्ति एकता के जीवंत प्रदर्शन के लिए शामिल हुए। हमने मिलकर "#गर्वसेस्वदेशी" का संकल्प लिया और आत्मनिर्भर एवं स्वस्थ भारत के लिए प्रतिबद्धता की पुष्टि की।"

ओलिंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने 'संडे ऑन साइकिल' अभियान में भाग लेने के बाद खुशी जाहिर की। उन्होंने देश की जनता में फिटनेस को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को देश के लिए सम्मान हासिल करने में सहायता करने के सरकार के प्रयासों पर बल दिया।

साक्षी ने कहा, "मुझे फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल पहल का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है। आज, भारत सरकार और खेल मंत्रालय द्वारा देश भर में 8000 से ज्यादा जगहों पर इसका आयोजन किया जा रहा है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने 2019 में फिट इंडिया की शुरूआत की थी और हमारे खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने दिसंबर 2024 में 'संडे ऑन साइकिल' पहल की शुरूआत की थी। हजारों लोगों और खासकर हमारे संसदीय क्षेत्र के सदस्यों के साथ साइकिल चलाने का यह मेरा पहला अनुभव था। मैं सभी से कहना चाहूँगी कि वे हर दिन एक घंटा फिटनेस और अपने शारीरिक स्वास्थ्य के लिए समर्पित करें।"

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा भारतीय साइक्लिंग महासंघ (सीएफआई), योगासन भारत और 'मेरा युवा भारत' के सहयोग से 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया जा रहा है। यह साइकिलिंग अभियान सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की राजधानियों के अलावा साई क्षेत्रीय केंद्रों, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों, साई प्रशिक्षण केंद्रों, खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्रों और खेलो इंडिया केंद्रों में विभिन्न आयु वर्गों के लिए एक साथ आयोजित किया जा रहा है।

धोनी ने रखा फिल्मी दुनिया में कदम, फायरिंग करते हुए गुंडों पर टूट पड़े माही, कब रिलीज होगी मूवी

(जीएनएस)। मैदान पर अपनी शांति और सूझबूझ से सबको हैरान करने वाले महेंद्र सिंह धोनी अब एक नए किरदार में दिखाई देंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर होने के बाद, धोनी ने पहली बार एक्शन की दुनिया में कदम रखा है। उनका नया फिल्मी अवतार देखकर हर कोई हैरान हो गया है।

उनकी यह नई फिल्म 'द चेज' है, जिसे हाई-एनर्जी थ्रिलर फिल्मों के लिए मशहूर वासन बाला ने निर्देशित किया है। फिल्म में उनके साथ अनुभवी अभिनेता आर। माधवन भी मुख्य भूमिका में हैं।

जैसे ही फिल्म का टीजर रिलीज हुआ, फैंस के बीच उत्साह बढ़ गया है। क्रिकेट की दुनिया की प्रतिष्ठित हस्ती और अनुभवी अभिनेता की अनोखी जोड़ी ने सोशल मीडिया पर

हलचल मचा दी है। फैंस इस कोलैबरेशन को लेकर काफी उत्सुक हैं और फिल्म की कहानी के बारे में और जानने के लिए बेताब हैं।

उत्साहपूर्ण इस टीजर में इस प्रोजेक्ट की पहली झलक बेहद दमदार तरीके से पेश की गई है। धोनी और माधवन दोनों ही कॉम्बैट-रेडी यूनिफॉर्म में नजर आते हैं, जिनके कंधों पर सनग्लासेस और हथियार हैं, जैसे दो ऑपरेटिव किसी हाई-स्टेक्स मिशन पर निकले हों। सिनेमाई बैकड्रॉप के बीच शूट किया गया यह क्लिप एक्शन, सस्पेंस और टीम स्पिरिट का एहसास दिलाता है, जबकि कहानी को अभी तक पूरी तरह से खुलासा नहीं किया गया है।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि यह कोई फीचर फिल्म हो, शॉर्ट या डिजिटल फिल्म हो या फिर कमर्शियल फिल्म हो लेकिन मुख्य काम दर्शकों का ध्यान खींचना था, जिसमें कामयाबी मिली है। अभी तक पूरी तरह से खुलासा नहीं हुआ कि यह फिल्म है या कोई वेब सीरीज है।

टाइगर श्रॉफ की फिल्म ने ली अच्छी ओपनिंग, पहले दिन छापे इतने करोड़

(जीएनएस)। टाइगर श्रॉफ की मोस्ट अवेटेड एक्शन फिल्म 'बागी 4' सिनेमाघरों लग गई है। फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म रिलीज होते ही चर्चा का विषय बन गई है। फिल्म ने पहले दिन पहले दिन अच्छी कमाई की है। ओपनिंग डे पर डबल डिजिट में कमाई की है। लेकिन टाइगर श्रॉफ की पिछली फिल्म 'बागी 3' के ओपनिंग डे कलेक्शन को पीछे छोड़ नहीं पाई।

'बागी 4' से मेकर्स को बहुत उम्मीदें थीं। उसकी वजह ये थी कि फिल्म के साथ कोई बड़ी पिक्चर का ना रिलीज होना और इस फ्रैंचाइज की लेगसी होना। लेकिन शुरूआती आंकड़े देखकर मेकर्स और टाइगर श्रॉफ भी खुश नहीं होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, संजय दत्त और टाइगर श्रॉफ की इस फिल्म ने भारत में पहले दिन 12 करोड़ रुपये का अनुमानित

कलेक्शन किया है। अनुमानित इसलिए क्योंकि अभी इस आंकड़ों में हेर-फेर संभव है। ऐसे में आंकड़ें अभी दुरुस्त हो सकते हैं। बागी एक बड़ी फ्रैंचाइज है, अगर ये फिल्म 70 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई करती है तो ये फ्रैंचाइज 500 करोड़ी बन जाएगी। ये टाइगर के करियर के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये आंकड़े प्रारंभिक अनुमान हैं और वास्तविक आंकड़ों में थोड़ा बदलाव संभव है। फिल्म के इस ठीक-ठाक कलेक्शन ने निमार्ताओं और प्रशंसकों दोनों को राहत दी है। टाइगर की फिल्म को देखने वीकेंड में लोग पहुंच सकते हैं।

ए. हर्षा के निर्देशन में बनी 'बागी 4' में टाइगर श्रॉफ के अलावा हरनाज संधू, सोनम बाजवा और संजय दत्त ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म का बजट लगभग 100 से 150 करोड़ रुपये का खर्च आया है। ऐसे में फिल्म को कम से कम 150 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई करनी होगी। तभी इसका बजट निकल पाएगा। फिल्म में इतना एक्शन है कि लोग उसे ही देखना पसंद कर रहे हैं।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

भावनगर रेलवे मंडल पर 'फिट इंडिया साइकलिंग ड्राइव' के अंतर्गत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने चलाई साइकिल

पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल पर आज फिट इंडिया पहल के तहत और फिटनेस को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के उद्देश्य से ह्लफिटनेस की डोज, आधा घंटा रोजह्व थीम के साथ ह्लफिट इंडिया साइकलिंग ड्राइवह्व (संडे ऑन साइकिल) का सफल आयोजन किया गया।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि ह्लफिट इंडिया साइकलिंग ड्राइवह्व के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उनकी अगुवाई में मंडल कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह रैली भावनगर रेलवे अधिकारी विश्राम गृह से प्रारंभ होकर नीलम बाग सर्कल वाया ज्वेल्स सर्कल होते हुए पुनः रेलवे अधिकारी विश्राम गृह पर संपन्न हुई। प्रतिभागियों ने लगभग 6 किलोमीटर की दूरी साइकिल से तय की।

यह आयोजन स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रेरणादायक प्रयास साबित हुआ। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रेल कर्मियों एवं आम नागरिकों को आलस्य, तनाव, चिंता और बीमारियों से मुक्ति दिलाकर स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। भावनगर मंडल का यह कदम लोगों को दैनिक जीवन में फिटनेस गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

जनरल कोच में यात्रियों को गुमराह करने वाले फर्जी टीटीई को पकड़ा

रेलवे सहायता पोर्टल पर प्राप्त शिकायत रेफरेंस संख्या 2025090702344 के अनुसार, गाड़ी संख्या 16613 के जनरल कोच में वडोदरा से अहमदाबाद के बीच एक व्यक्ति द्वारा स्वयं को टीटीई बताकर यात्रियों को गुमराह करने की सूचना प्राप्त हुई थी।

इस शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए अहमदाबाद मंडल के वाणिज्य विभाग से उप स्टेशन अधीक्षक (उ्ट.रर/उड्ढे) श्री सचिन जादव एवं टिकट चेकिंग स्टाफ श्री राजेश ने तत्परता, सतर्कता एवं दक्षता का परिचय देते हुए आरपीएफ स्टाफ के सहयोग से उस संदिग्ध व्यक्ति को अहमदाबाद स्टेशन पर तत्काल पकड़ लिया।

प्रारंभिक पूछताछ में उक्त व्यक्ति ने अपना नाम अमन प्रकाश बताया, किंतु वह कोई वैध रेलवे पहचान पत्र प्रस्तुत करने में असमर्थ रहा। मामले की गंभीरता को देखते हुए उसे ॠढ्ढ अहमदाबाद को आवश्यक कानूनी कार्यवाही हेतु सुपुर्द कर दिया गया।

उप स्टेशन अधीक्षक (वाणिज्य) श्री सचिन जादव, टीटीई श्री राजेश एवं आरपीएफ अहमदाबाद द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई, सतर्कता एवं यात्रियों की सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अत्यंत सराहनीय है।

आईएनएस कदमत्त की पापुआ न्यू गिनी यात्रा

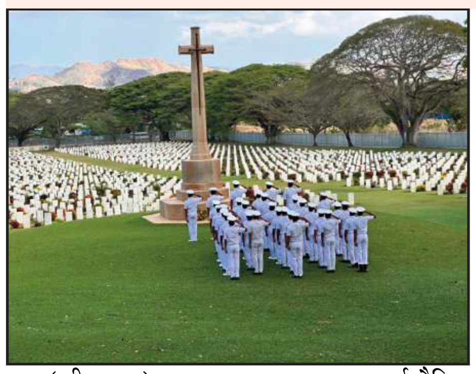

(जीएनएस)।

पापुआ न्यू गिनी के 50वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, भारतीय नौसेना बैंड ने पोर्ट मोरेस्बी में भव्य सैन्य संगीतमय प्रस्तुति (ग्रैंड मिलिट्री टैटू) में भाग लिया, जो भारतीय नौसेना के पोत कदमत्त पर सवार होकर आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में कई देशों के बैंड एक साथ आए, जो संगीत की सार्वभौमिक भाषा के माध्यम से एकता, अनुशासन और साझा विरासत का प्रतीक थे।

भारतीय नौसेना बैंड ने मार्शल संगीत और भारतीय धुनों का मिश्रण प्रस्तुत किया, जिसकी गणमान्य व्यक्तियों और दर्शकों ने सराहना की। इस शानदार प्रदर्शन ने भारत के जीवंत सांस्कृतिक लोकाचार को प्रदर्शित किया और प्रशांत महासागर के देशों के साथ उसके दीर्घकालिक समुद्री संबंधों की पुष्टि की।

इस यात्रा के दौरान, आईएनएस कदमत्त के कर्मियों ने बोमाना युद्ध स्मारक का दौरा किया और द्वितीय विश्व युद्ध के शहीदों, जिनमें कई गुमनाम भारतीय सैनिक भी शामिल थे, के शौर्य और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर, उस साझा इतिहास और बलिदान पर प्रकाश डाला गया जो महासागरों और पीढ़ियों के पार के देशों को एक सूत्र में बाँधता है।

इन नायकों की स्मृति शक्ति का स्रोत है, जो कर्तव्य, सम्मान और साहस के आदर्श मूल्यों को कायम रखते हुए सदैव और हर समय सामूहिक संकल्प को मजबूत करती है।

, भारत को खो देने वाले बयान के बाद ट्रंप ने क्यों लिया यू-टर्न, कहा- 'मोदी और मैं हमेशा रहेंगे दोस्त, वो महान पीएम हैं'

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपने बयान पर यू-टर्न ले लिया है। कुछ घंटे पहले ही उन्होंने कहा था कि अमेरिका "भारत और रूस को चीन के हाथों खो चुका है।" लेकिन इसके तुरंत बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने गहरे रिश्तों को याद करते हुए कहा कि वे मोदी के "हमेशा दोस्त" रहेंगे और भारत-अमेरिका का रिश्ता "खास" है। ये बयान ट्रंप ने 5-6 सितंबर के दरमियान कुछ घंटों के बीच ही दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने जहां एक ओर भारत पर भारी-भरकम टैरिफ लगाकर कड़ा रुख अपनाया है, वहीं दूसरी ओर पीएम मोदी के साथ दोस्ती और भारत-अमेरिका के "स्पेशल रिलेशनशिप" की भी दुहाई दी है। यानी बयानबाजी सख्त है, लेकिन रिश्तों की डोर अब भी मजबूत बताई जा रही है।

पहले ट्रंप का विवादित पोस्ट और फिर नरमी

ट्रंप ने 'मोदी और मैं हमेशा रहेंगे दोस्त' रहेंगे वाले बयान देने से कुछ घंटे पहले ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ळ१४३ँ रङ्क' पर एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और पीएम नरेंद्र मोदी दिखाई दे रहे थे। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा-"लगता है हमने भारत और रूस को चीन के सबसे अंधेरे गहराई वाले खेमे में खो दिया है। उम्मीद है उन्हें साथ मिलकर लंबा और समृद्ध भविष्य मिले!"

भारत के 10 सबसे अमीर लोगों में कितने 'ब्राह्मण'? ट्रंप के सलाहकार के बयान के बाद छिड़ी बड़ी बहस, देखें लिस्ट

ट्रंप का बड़ा पलटी बयान- 'मुझे नहीं लगता हमने भारत को खोया है'

लेकिन जब उनसे इस पर सवाल किया गया कि भारत को चीन के पाले में धकेलने के लिए वे किसे दोषी मानते हैं, तो ट्रंप ने कहा,

"मुझे नहीं लगता कि हमने भारत को खोया है। हां, मैं इस बात से निराश हूं कि भारत रूस से इतना तेल खरीद रहा है। मैंने उन्हें यह बात साफ बता दी है। हमने भारत पर बहुत बड़ा टैरिफ लगाया है -50% का, जो काफी ज्यादा है। लेकिन जैसा कि आप जानते हैं, मेरा पीएम मोदी के साथ बहुत अच्छा रिश्ता है। वे कुछ महीने पहले ही यहां आए थे।"

रूस से तेल आयात पर अमेरिका की आपत्ति

ट्रंप ने यह भी दोहराया कि अमेरिका भारत की रूस से तेल खरीद से खुश नहीं है। इसी वजह से उन्होंने हाल ही में भारतीय आयात पर 50% का टैरिफ लगाया, जो 27 अगस्त 2025 से लागू हो चुका है। इस टैरिफ का आधा हिस्सा सीधे तौर पर भारत-रूस ऊर्जा व्यापार को लेकर पेनल्टी के तौर पर लगाया गया है।

'मोदी महान नेता हैं, भारत-अमेरिका का रिश्ता खास'

अपने कठोर फैसलों के बावजूद ट्रंप ने मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, "मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूंगा। वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। बस मुझे इस वक्त उनका एक कदम पसंद नहीं आ रहा। लेकिन भारत और अमेरिका के बीच एक खास रिश्ता है। इसमें चिंता करने जैसी कोई बात नहीं है।"

भारत पर ट्रंप प्रशासन का दबाव

ट्रंप प्रशासन के कई बड़े अधिकारी, जैसे हॉवर्ड लुटनिक, पीटर नवारो और स्कॉट बेसेंट, बार-बार भारत को रूस से व्यापार के लिए निशाना बना चुके हैं। हाल ही में पीटर नवारो ने यहां तक कह दिया कि 'भारत के ब्राह्मण रूस से तेल खरीद कर मुनाफा कमा रहे हैं और इसकी कीमत आम भारतीय चुका रहा है।' भारत सरकार ने इस बयान को "भ्रामक और गलत" करार देते हुए सख्ती से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा-"हम ऐसे बयानों को पूरी तरह खारिज करते हैं।"

भारत-अमेरिका ट्रेड बातचीत जारी

भले ही टैरिफ और तीखे बयानों से रिश्ते में तल्खी दिख रही हो, लेकिन भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक बातचीत अब भी जारी है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में कहा कि "इसमें चिंता की कोई जरूरत नहीं है।" उन्होंने साफ किया कि ऐसे वातार्लाप धैर्य से आगे बढ़ाए जाते हैं और इनके लिए कोई

'द यश मंगलम शो' की नई लघु फिल्म 'पथ प्रदर्शक' में ज़िंदगी के मार्गदर्शकों की जय-जयकार

"राष्ट्रीय शिक्षक दिवस" पर मायानगरी मुंबई में हुआ लोकार्पण

मुंबई, 5 सितम्बर। इंटरनेट के लोकप्रिय माध्यम यू-ट्यूब पर पिछले दिनों जारी विभिन्न लघु फिल्मों को मिली निरंतर सफलता के बाद सृजनात्मक उत्कृष्टता के एक सशक्त ब्रांड के रूप में लोकप्रिय होते जा रहे "द यश मंगलम शो" की नवीनतम कड़ी के रूप में लघु फिल्म "पथ प्रदर्शक" का लोकार्पण 5 सितम्बर, 2025 को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर देश की आर्थिक राजधानी और मायानगरी मुंबई में किया गया। इस लघु फिल्म में शिक्षकों और जीवन के हर पड़ाव पर उचित मार्गदर्शन करने वाले सभी पथ प्रदर्शकों की जय-जयकार की गई है।

एक अनूठी सृजनात्मक पहल के अंतर्गत "वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई" द्वारा "महतपुरकर एंड मंगलम फाउंडेशन" के बैनर तले नवसृजित यह अद्भुत लघु फिल्म "पथ प्रदर्शक" सोशल मीडिया के सबसे सशक्त प्लेटफॉर्म यू-ट्यूब पर एक सुरुचिपूर्ण चैनल "द यश मंगलम शो-2025' के अंतर्गत अपलोड की गई है, जो अपने अनूठे कंटेंट और प्रस्तुतीकरण के विलक्षण अंदाज के लिए काफी लोकप्रिय है और व्यापक तौर पर सराहा जाता रहा है। इससे पहले इस लोकप्रिय शो की "धरोहरः ए पोएटिक सागा", "शिल्पकार", "योगा रिट्रीट", "सेहत के रखवाले", *कारगिल विजय दिवस- ए पोएटिक सागा और "मैं भारत हूँ..!" जैसी प्रभावशाली कड़ियाँ यू-ट्यूब पर काफी अच्छा प्रतिसाद पा चुकी हैं। इस शो के जोशीले प्रस्तुतकर्ता यश मंगलम हैं, जो सिर्फ. 15 वर्ष की आयु में ही सशक्त प्रस्तुतीकरण से अपनी दमदार शैली की बदौलत शो- बिज की दुनिया में अपना अच्छा मुकाम हासिल कर रहे हैं। इस विशेष लघु फिल्म का प्रभावशाली लेखन मुंबई के सुपरिचित गीतकार, मंच संचालक तथा मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार गजानन महतपुरकर ने किया है, जिसमें पथ प्रदर्शकों के विभिन्न पहलुओं को

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर "द यश मंगलम शो" की नवीनतम फिल्म "पथ प्रदर्शक के पोस्टर का दृश्य।

बखूबी पिरोया गया है। उल्लेखनीय है कि गजानन महतपुरकर द्वारा लिखी गई 9 लघु फिल्में पहले ही यू-ट्यूब पर धूम मचा चुकी हैं। इसी क्रम में अब नवीनतम लघु फिल्म "पथ प्रदर्शक"* के जरिये गजानन महतपुरकर की सशक्त लेखनी और सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक एवं एडिटर अनुपम मंगलम के कुशल निर्देशन का कमाल यू-ट्यूब पर लोकप्रिय हो रहा है। इस लघु फिल्म के प्रोड्यूसर बॉलीवुड के जाने-माने लाइन प्रोड्यूसर दीपक भानुशाली हैं, जिन्होंने एक था टाइगर, जय हो, किक और रंगरेज जैसी चर्चित फि ल्मों में अपनी भूमिका बखूबी निभाई है। इस सशक्त, प्रभावशाली और संवेदनशील लघु फिल्म को सटीक एडिटिंग एवं कुशल निर्देशन के जरिये पर्दे पर उतारने का दायित्व बखूबी निभाया है, मुंबई के विज्ञापन एवं फिल्म जगत के भरोसेमंद निर्देशक अनुपम मंगलम ने, जिनको पिछले 25 सालों में 300 से ज्यादा विज्ञापन फिल्में बनाने का समृद्ध अनुभव प्राप्त है। इस नवसृजित लघु फिल्म का भावपूर्ण संगीत समीर पखाले ने दिया है। वीडियोग्राफी संजय वैष्णव, वी एफ एक्स संयोजन गिनीलाल सालुंके और कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग कला मंगलम द्वारा सुनिश्चित की गई है। पोस्ट प्रोडक्शन "वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई" ने किया है। उल्लेखनीय है कि भारत के दूसरे राष्ट्रपति रहे डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर 5 सितम्बर को हर साल शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर जारी इस विशेष लघु फिल्म को सोशल मीडिया पर काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और इसकी विलक्षण गुणवत्ता को बड़े पैमाने पर सराहा जा रहा है। इस लघु फिल्म की प्रमुख पंक्तियाँ कुछ इस तरह रची गई हैं :-

"शिक्षक जो स्वयं तपकर...अपने शिष्यों में भरते हैं....विश्वास की अनूठी शक्तिङ्क! जो अच्छाइयों की सही सीख देकर हमें दिलाते हैं बुराइयों से मुक्ति, जो स्वयं ठोकरें खाकर भी..... हमें सँभलना सिखाते हैं, जो हमारे भीतर सही- गलत की चेतना जगाते हैं, उनके आदर्श हमारे मन को थमाते हैं अनुशासन की डोर, उनकी शिक्षा हमें ले जाती है.. अज्ञानता से उजाले की ओर, शिक्षक ही बनते हैं विपरीत परिस्थितियों में हमारे स्वाभिमान के रक्षक, ये होते हैं हमारे-आपके जीवन के असली "पथ प्रदर्शक"..! आइये, आज शिक्षक दिवस के अवसर पर हम प्रकट करें सभी शिक्षकों के प्रति हार्दिक आभार..! हमारे जीवन के सभी पथ प्रदर्शकों की अंतर्मन से जय-जयकार..!"

यह लघु फिल्म इस यू-ट्यूब लिंक पर देखी जा सकती है :-

https://youtu.be/m9dXhLYgu2E?si=gap9VZO2fFpoDUnQ

भारत ने एससीओ व्यापार मंत्रियों की बैठक में विश्व व्यापार संगठन-केंद्रित, निष्पक्ष व्यापार प्रणाली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया

भारत ने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का प्रदर्शन किया, एससीओ में निष्पक्ष एवं सुरक्षित ई-कॉमर्स ढांचे पर सहयोग का प्रस्ताव रखा

(जीएनएस)।

भारत ने 06 सितंबर 2025 को व्लादिवोस्तोक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के व्यापार मंत्रियों की बैठक में साझा समृद्धि के लिए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की सामूहिक शक्तियों का लाभ उठाने की संभावनाओं पर जोर दिया और निर्यात विविधीकरण, निर्भरता कम करने और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। एससीओ में दुनिया की 42% आबादी और वैश्विक व्यापार का 17.2% हिस्सा है, इसलिए भारत ने व्यापार प्रवाह बढ़ाने, कमजोरियों को दूर करने और पूरे क्षेत्र में समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए समन्वित कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

का प्रतिनिधित्व करते हुए, वाणिज्य विभाग के अपर सचिव, श्री अमिताभ कुमार ने विश्व व्यापार संगठन (डबल्‍ यू.टी.ओ.) को केंद्र में रखते हुए एक खुली, निष्पक्ष, समावेशी और भेदभाव रहित बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विकास-केंद्रित एजेंडे के महत्व पर प्रकाश डाला, जिसमें खाद्य सुरक्षा उद्देश्यों के लिए सार्वजनिक भंडारण (पी.एस.एच.) पर एक स्थायी समाधान, विकासशील देशों के लिए प्रभावी विशेष एवं विभेदक उपचार (एस एण्‍ड डी टी), और पूरी तरह कार्यात्मक द्वि-स्तरीय डबल्‍ यू.टी.ओ. विवाद निपटान प्रणाली की बहाली शामिल है। उन्होंने आर्थिक विकास को मजबूत करने और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एमएसएमई की व्यापक भागीदारी को समर्थन देने के लिए, राष्ट्रीय कानूनों और पारदर्शिता के अनुरूप, सेवा व्यापार और कुशल पेशेवरों की अस्थायी आवाजाही की भूमिका पर भी जोर दिया।

भारत ने राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों को कायम रखते हुए, भौगोलिक विस्तार, अंतर-संचालनीय लॉजिस्टिक्स, पूवार्नुमानित बाजार पहुँच और बेहतर कनेक्टिविटी के माध्यम से आपूर्ति और उत्पादन श्रृंखलाओं में विविधता लाने और जोखिम कम करने के महत्व पर बल दिया। कहा कि लगातार व्यापार असंतुलन को बेहतर बाजार पहुँच, मानकों पर सहयोग और सुव्यवस्थित व्यापार सुविधा के माध्यम से दूर किया जाना चाहिए। भारत ने आगाह किया कि निर्यात संबंधी उपायों का इस्तेमाल कृत्रिम कमी पैदा करने, बाजारों को विकृत करने या आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करने के लिए शस्‍ त्र के रूप में नहीं किया जाना चाहिए या उनका दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए और इस बात पर जोर दिया कि अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य में विश्वास बनाए रखने के लिए उनका संतुलित और पारदर्शी उपयोग आवश्यक है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, भारत ने निष्पक्ष, पारदर्शी और पूवार्नुमानित नियामक ढाँचों, सर्वोत्तम प्रथाओं पर स्वैच्छिक सहयोग और सुरक्षित, नवाचार-आधारित डिजिटलीकरण के लिए क्षमता निर्माण पर केंद्रित एससीओ कार्यप्रवाहों का प्रस्ताव रखा। भारत ने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डी.पी.आई.) में अपनी उपलब्धियों का भी प्रदर्शन किया, जिसमें रीयल-टाइम भुगतान के लिए यू.पी.आई., पहचान और सहमति प्रबंधन के लिए इंडिया स्टैक और अनबंडल डिजिटल कॉमर्स के लिए डठऊ शामिल हैं। इन पहलों को एमएसएमई लागत कम करने, बाजारों तक पहुँच बढ़ाने और विश्वसनीय भागीदारों के बीच पायलट परियोजनाओं सहित रीयल-टाइम निपटान को सक्षम करने के लिए कम लागत वाले, मानक-आधारित और अनुकरणीय मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया।

सतत विकास के संदर्भ में, भारत ने समानता और साझा लेकिन विभेदित उत्तरदायित्वों एवं विशिष्ट क्षमताओं (सीबीडीआर-आरसी) के सिद्धांत पर जोर दिया। इसने मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) पहल पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि जलवायु कार्रवाई को वित्त और किफायती प्रौद्योगिकी प्रवाह द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए। भारत ने यह भी आगाह किया कि व्यापार से जुड़े जलवायु उपायों के परिणामस्वरूप मनमाना या अनुचित भेदभाव नहीं होना चाहिए।

भारत ने एवीजीसी क्षेत्र (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स) को रोजगार, निर्यात और समावेशी विकास के इंजन के रूप में रेखांकित किया। इसने इस वर्ष की शुरूआत में पहली बार आयोजित विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स 2025) की अपनी सफल मेजबानी को याद किया, जिसमें 100 से अधिक देशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इस शिखर सम्मेलन ने कई पहलों को गति।

ऐशिया कप 2025 से पहले पाकिस्तान-अफगानिस्तान खेलेगी फाइनल, ये टीम हो गई बाहर

(जीएनएस)। अफगानिस्तान और यूएई के बीच खेला गया पहला मैच रोमांचक अंदाज में खत्म हुआ। इस मुकाबले में अफगानिस्तान ने भले ही 4 रन से जीत दर्ज की, लेकिन यूएई ने आखिरी ओवर तक मुकाबले को जीवंत बनाए रखा। मैच में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले, जिसने इसे फैंस के लिए बेहद यादगार बनाने का काम किया।

अफगानिस्तान ने बनाए थे 170 रन

अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 170 रन बनाए। रहमानुल्लाह गुरबाज (40) और इब्राहिम जादरान (48) ने शानदार ओपनिंग साझेदारी निभाई। दोनों ने पावरप्ले में धैर्य के साथ बल्लेबाजी की और बाद में बड़े शॉट्स लगाए। हालांकि, बीच के ओवरों में अफगानिस्तान ने तेजी से तीन विकेट खो दिए, लेकिन करीम जनत (नाबाद 32) ने आखिरी ओवरों में महत्वपूर्ण रन जोड़कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

यूएई की शुरूआत रही जबरदस्त

यूएई की ओर से हाइडर अली ने शानदार गेंदबाजी की और 2 विकेट चटकाए। वहीं, मोहम्मद रोहिद को किस्मत का साथ नहीं मिला क्योंकि उनके ओवर में दो आसान कैच छूटे। अगर ये कैच पकड़े जाते तो कहानी शायद अलग होती। लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई की शुरूआत जबरदस्त रही। कप्तान मुहम्मद वसीम (44) और असिफ खान (40) ने रनगति को बनाए रखा।

मुजीब और नूर अहमद की शानदार गेंदबाजी

वसीम ने शुरूआत में मुजीब उर रहमान को छक्का लगाकर दबाव अफगानिस्तान पर डाल दिया। लेकिन जैसे ही वसीम आउट हुए, अफगानिस्तान ने मैच में वापसी कर

पश्चिम रेलवे - भावनगर मंडल

ई-निविदा संख्या: 172-2025-26

स्टेशन का पुनर्विकास

कार्य का नाम: लोथल भुरखी:- स्टेशन का पुनर्विकास।	
निविदा मूल्य (रु.): ₹ 17,23,42,372.37	
बयान राशि रु.: ₹ 10,11,700.00	
बोली प्रारंभ तिथि: 15/09/2025	
बोली समाप्ति तिथि: 29/09/2025	

उपरोक्त निविदा रेलवे की **वेबसाइट www.ireps.gov.in** पर दिनांक: 05/09/2025 को अपलोड कर दी गई है। **BVP 127**

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

डीआरडीओ ने उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे के विकास के लिए एमएसएमई की क्षमता निर्माण हेतु सम्मेलन का आयोजन किया

(जीएनएस)।

डीआरडीओ के रक्षा प्रौद्योगिकी एवं परीक्षण केंद्र (डीटीटीसी), लखनऊ ने 06 सितंबर, 2025 को अमौसी परिसर में एक सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे को और विकसित करना था। विभिन्न एमएसएमई, स्टार्ट-अप और लघु उद्योग भारती के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने डीआरडीओ द्वारा कौशल विकास, अनुसंधान एवं विकास हेतु वित्त पोषण, तकनीकी परामर्श और प्रौद्योगिकी विकास एवं हस्तांतरण के पहलुओं पर विचार-विमर्श किया।

अपने उद्घाटन भाषण में, डीआरडीओ अध्यक्ष ने डीटीटीसी को रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह के दिमाग की उपज बताया, जो आज उद्योगों के लाभ के लिए लाभदायक सिद्ध हो रहा है। उन्होंने एमएसएमई को विभिन्न तकनीकों और उद्योग-केंद्रित नीतियों के बारे में जानकारी दी और कहा कि एमएसएमई के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास में शामिल होने का यह उपयुक्त समय है। उन्होंने आश्वासन दिया कि डीआरडीओ देश को आत्मनिर्भर भारत बनाने और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए एमएसएमई को हर संभव सहायता प्रदान करेगा।

रक्षा मंत्री ने सम्मेलन के आयोजन के लिए डीआरडीओ और एमएसएमई की सराहना की और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने में एमएसएमई द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले गणमान्य व्यक्तियों में महानिदेशक (नौसेना प्रणाली एवं सामग्री) डॉ. आर.वी. हारा प्रसाद, महानिदेशक (प्रौद्योगिकी प्रबंधन) डॉ. एल.सी. मंगल और महानिदेशक (मानव संसाधन) डॉ. मयंक द्विवेदी शामिल थे।

अमेरिका ने रक्षा विभाग का नाम 'युद्ध विभाग' क्यों किया? क्या है इसका मतलब और ट्रंप ने किसे दिया संदेश

(जीएनएस)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा कदम उठाते हुए पेंटागन का नाम बदलकर 'युद्ध विभाग' कर दिया है। इस आदेश पर राष्ट्रपति ने हस्ताक्षर कर इसे तुरंत लागू कर दिया। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका ने पहले और दूसरे विश्व युद्ध में जीत हासिल की है और वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए देश को फिर से तैयार रहना चाहिए।

डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा कि, इस बदलाव का मकसद न केवल अमेरिका के दुश्मनों को चेतावनी देना है, बल्कि सहयोगियों और नागरिकों को यह संदेश देना है कि अमेरिकी सेना पूरी ताकत और तैयारी के साथ खड़ी है।

अमेरिका के दुश्मनों को संदेश

पेंटागन का नाम पहले भी 'युद्ध विभाग' था, लेकिन 1949 में इसे बदलकर रक्षा विभाग कर दिया गया। ट्रंप ने कहा कि वर्तमान वैश्विक हालात और अमेरिका की सैन्य शक्ति को देखते हुए पुराने नाम को फिर से बहाल करना जरूरी था। आदेश पर हस्ताक्षर करते समय युद्ध सचिव पीट हेगसेथ और जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ डैन केन भी मौजूद थे। ट्रंप ने बताया कि यह नाम अमेरिका के

दुश्मनों और सहयोगियों दोनों को यह संदेश देगा कि देश युद्ध और सुरक्षा दोनों के लिए पूरी तरह तैयार है।

युद्ध विभाग पर देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी

अमेरिका के युद्ध विभाग पर अब देश की राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य नीतियों और विदेशी खतरों से सुरक्षा की जिम्मेदारी होगी। यह विभाग सेना, नौसेना, वायु सेना, मरीन कॉर्प्स और अंतरिक्ष सेना का संचालन और प्रबंधन करेगा। युद्ध विभाग की जिम्मेदारी में युद्ध रणनीति बनाना, शांति स्थापना के कार्यक्रम, आपदा प्रबंधन, हथियारों और डिफेंस टेक्नोलॉजी का विकास और खरीद फरोख्त शामिल हैं। इसके अलावा, विभाग अंतरराष्ट्रीय सैन्य गठबंधन और सहयोग बढ़ाने का कार्य भी करेगा।

1949 में बदला गया था नाम

युद्ध विभाग की कहानी थोड़ी पुरानी है। सबसे पहले इसकी स्थापना पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन ने की थी। उस समय इसका मकसद देश की सुरक्षा और सेना की मजबूत संरचना तैयार करना था। बाद में साल 1947 में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत सेना, नौसेना और वायु सेना को एक साथ लाकर इसे और अधिक संगठित बनाया गया। फिर अगस्त 1949 में इसका नाम बदलकर रक्षा विभाग रख दिया गया, ताकि यह सिर्फ युद्ध के लिए नहीं बल्कि देश की कुल रक्षा और सुरक्षा के लिए काम करे।

लेकिन अब, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के बाद यह विभाग फिर से अपने पुराने नाम 'युद्ध विभाग' के नाम से जाना जाएगा। ट्रंप के मुताबिक, वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए यह नाम ज्यादा सटीक और जरूरी था। इसका मुख्यालय पेंटागन में है और पूरे विभाग का नेतृत्व रक्षा सचिव करता है। इसका मतलब यह है कि अब युद्ध, सुरक्षा, रणनीति और सेना से जुड़ी सभी जिम्मेदारियां इसी विभाग के अंतर्गत आएंगी।

लखनऊ एमिटी यूनिवर्सिटी कैंपस : लड़की ने अपने क्लासमेट को कार में बैठाया और कर दी थप्पड़ों की बरसात

(जीएनएस)।

लखनऊ की एमिटी यूनिवर्सिटी कैंपस में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक छात्रा ने अपने दो क्लासमेट्स को कार में बिठाकर एक लॉ स्टूडेंट पर करीब डेढ़ मिनट में 26 थप्पड़ बरसाए। यह पूरी घटना कैंपस की पार्किंग में हुई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

पीड़ित छात्र इस वारदात के बाद मानसिक रूप से परेशान है और उसने कॉलेज जाना भी बंद कर दिया है। घटना ने यूनिवर्सिटी प्रशासन और कैंपस सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जबकि अभिभावक और छात्र इस हिंसक वारदात को देखकर हैरान और चिंतित हैं।

घटना कैसे हुई?

जानकारी के अनुसार, एमिटी यूनिवर्सिटी की पार्किंग में यह चौंकाने वाली घटना घटित हुई। छात्रा ने अपने दो क्लासमेट्स को कार में बिठाया और फिर एक लॉ स्टूडेंट पर लगातार ताबड़तोड़ थप्पड़ मारने शुरू किए। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि छात्रा अपने दोस्तों के सामने पीड़ित छात्र पर थप्पड़ मार रही है। वहीं, एक अन्य छात्र ने इस पूरे मामले का रिकॉर्डिंग कर ली, जिसे बाद में सोशल मीडिया पर वायरल

कर दिया गया।

पीड़ित छात्र का आरोप है कि यह हमला केवल शारीरिक नहीं था, बल्कि उसकी बेइज्जती और इमेज खराब करने के लिए जानबूझकर किया गया। घटना ने यूनिवर्सिटी प्रशासन और कैंपस सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कैंपस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल

इस घटना ने यूनिवर्सिटी प्रशासन और कैंपस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अभिभावक और छात्र प्रशासन से स्पष्टीकरण और कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने इस मामले को और सुर्खियों में ला दिया है और लोगों में इसे लेकर चिंता और आक्रोश फैल गया है। वहीं लखनऊ पुलिस ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि, 'प्रकरण में थाना चिनहट पर प्राप्त तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत है, अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पीड़ित छात्र ने क्या कहा?

'दैनिक भास्कर' से बातचीत में LLB सेकेंड ईयर स्टूडेंट शिखर ने अपनी आपबीती साझा की। उन्होंने बताया कि 11 जून को उनका घुटने और लिगामेंट का ऑपरेशन हुआ था, जिसके चलते वे करीब दो महीने यूनिवर्सिटी नहीं जा पाए थे। वे 8 अगस्त से फिर कॉलेज आने लगे।

घटना 26 अगस्त की है। शिखर ने कहा, 'मैं अपने दोस्त के साथ कैंपस में था, उसी समय मेरे बैच के कुछ साथी स्टूडेंट्स कार में आकर बैठे और अचानक मेरी पिटाई शुरू कर दी। मैं कुछ समझ पाता उससे पहले ही ताबड़तोड़ तमाचे मुझे मारे गए।' उन्होंने आगे बताया कि इस दौरान एक लड़की और आयुष यादव नाम का छात्र गुस्से में थे और उन्हें मां-बाप और बहन की गंदी गालियां दी जा रही थीं। शिखर ने कहा, 'इन सभी ने मिलकर मुझे इतना मारा कि मैं पूरी तरह बेबस हो गया। इसके अलावा, उन्होंने मेरा फोन लेकर मेरी सभी चैट डिलीट कर दी और फोन व सिम तोड़ दिया।'

कौन हैं इंजीनियर राशिद? जम्मू-कश्मीर के सांसद की तिहाड़ जेल में ट्रांसजेंडर कैदियों ने की धुनाई, क्या था मामला

(जीएनएस)।

तिहाड़ जेल से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जम्मू-कश्मीर के सांसद इंजीनियर राशिद (एल्लॅल्लीी१ फ्रॅ्रॅ) के साथ ट्रांसजेंडर कैदियों ने मारपीट की है। इस घटना ने जेल सुरक्षा और सांसद की हालत को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि- आखिर विवाद इतना बढ़ा कैसे कि मारपीट की नौबत आ गई?

जानकारी के मुताबिक, जेल नंबर-2 में कैदियों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। बात इतनी बढ़ गई कि इंजीनियर राशिद पर ट्रांसजेंडर कैदियों ने हमला कर दिया। जेल प्रशासन ने बीच-बचाव कर स्थिति को काबू में किया और राशिद की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

जेल प्रशासन का कहना है कि इस घटना में राशिद को सिर्फ हल्की चोटें आई हैं और हत्या की साजिश जैसी खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं।

सूत्रों के अनुसार, एक हफ्ते पहले तिहाड़ जेल नंबर 3 में राशिद और ट्रांसजेंडर कैदियों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसके बाद उनकी पिटाई कर दी गई। राशिद की पार्टी ने आरोप लगाया कि ट्रांसजेंडर कैदियों को 'उकसाया जाता है ताकि माहौल बिगाड़ा जा सके।' वहीं जेल अधिकारियों ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि घटना मामूली झगड़े तक ही सीमित थी।

पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने चीन में आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड' (आईईएसओ-2025) में भारतीय टीम के विजेता छात्रों को सम्मानित किया

प्रतिष्ठित वैश्विक ओलंपियाड में टीम इंडिया ने 1 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य सहित 7 पदक जीते

डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्टार्टअप क्रांति से प्रेरित टियर-2 और टियर-3 शहरों के युवाओं में आकांक्षाओं की सराहना की

एनईपी-2020 पारंपरिक विषय बाधाओं से युवा मस्तिष्कों को मुक्त करके उनकी क्षमता को उजागर कर रहा है: डॉ. जितेंद्र सिंह

उभरते क्षेत्रों की ओर रुख: पृथ्वी विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष क्षेत्र और स्टार्ट-अप आधारित स्व-रोजगार

मंत्री ने छात्रों से विज्ञान ज्योति, छात्रवृत्ति, फैलोशिप और अनुसंधान अनुदान जैसे नए सरकारी प्रोत्साहनों और पहलों का पता लगाने का आग्रह किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 8-16 अगस्त 2025 तक चीन के जिनिंग में आयोजित 18वें "अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड" (आईईएसओ-2025) में भारतीय टीम के विजेता छात्रों को सम्मानित किया।

टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल सात पदक - 1 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य - हासिल किए, साथ ही अंतर्राष्ट्रीय भूविज्ञान युवा आंदोलन (आई-जीवाईएम) रिपोर्टर श्रेणी में तीसरा पुरस्कार भी प्राप्त किया।

विजेता छात्रों में शामिल हैं: डृ रयांश गुप्ता (सत पॉल मित्तल स्कूल, लुधियाना, पंजाब)- स्वर्ण, रजत और आई-जीवाईएम तृतीय पुरस्कार डृ चारुव्रत बैंस (एमजीएन पब्लिक स्कूल, कपूरथला, पंजाब) - 2 रजत, 1 कांस्य डृ अपम निधि पांडे (पीएम श्री केवी नंबर 1, जयपुर, राजस्थान) - 1 रजत डृ प्रियांशी घनघास (एमडी इंद्रप्रस्थ सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, दिल्ली) - 1 कांस्य

छात्रों को मार्गदर्शक प्रोफेसर देवेश वालिया और प्रोफेसर हेमा अच्युतन द्वारा मार्गदर्शन दिया गया तथा वैज्ञानिक-जी डॉ. जगवीर सिंह पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद थे।

इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने राष्ट्र को गौरव दिलाने वाले युवा उपलब्धि हासिल करने वालों की सराहना करते हुए कहा कि ये परिणाम पिछले दशक में भारत की स्टार्टअप क्रांति के बाद युवाओं, विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों के युवाओं में नई आकांक्षा की भावना को दर्शाते हैं।

मंत्री महोदय ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) ने युवा मस्तिष्कों को कठोर विषय धाराओं की सीमाओं से मुक्त करके और उन्हें विविध विषयों का अन्वेषण करने में सक्षम बनाकर उनकी रचनात्मक क्षमता को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि यह पारंपरिक पाठ्यक्रमों से हटकर पृथ्वी विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और स्टार्ट-अप आधारित स्व-रोजगार जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों की ओर एक आदर्श बदलाव को प्रोत्साहित कर रहा है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे विज्ञान ज्योति, छात्रवृत्ति, फेलोशिप और अनुसंधान अनुदान जैसी पहलों के माध्यम से सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों का सक्रिय रूप से लाभ उठाएं, ताकि उनके विचारों को आगे बढ़ाया जा सके और उन्हें समाज के लिए लाभकारी बनाया जा सके।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन ने बताया कि मंत्रालय हर साल भारत के 300 केंद्रों पर भारतीय राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड (आईएनईएसओ) आयोजित करके आईईएसओ के लिए छात्रों का समर्थन करता है। लगभग 30 चयनित छात्रों में से, चार का चयन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया जाता है। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में आईईएसओ में भारत का प्रदर्शन बेहद उत्साहजनक रहा है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपनी खोज को केवल प्रतियोगिताएं जीतने तक ही सीमित न रखें, बल्कि अपने क्षितिज को व्यापक बनाएं और नागरिकों की व्यापक भलाई के लिए वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने के लिए अपने नवाचारों को लागू करें।

अंतर्राष्ट्रीय भूविज्ञान शिक्षा संगठन (आईजीईओ) द्वारा 2003 में स्थापित अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड (आईईएसओ), दुनिया भर के माध्यमिक विद्यालय के छात्रों (कक्षा क-क्क) के लिए एक वार्षिक प्रतियोगिता है। भारत 2007 से इसमें भाग ले रहा है और 2013 में मैसूर में इसके 10वें संस्करण की मेजबानी की थी।

'साड़ी- साया खोलकर परेड करवाऊंगा', कौन है सारिका पासवान? तेजस्वी यादव ने क्यों किया जिक्र?

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को अपशब्द कहे जाने के खिलाफ आज एनडीए ने बिहार बंद बुलाया तो वहीं दूसरी ओर बीजेपी लगातार कह रही है कि' महागठबंधन के मंच से प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत मां को गाली दी गई। ये बेहद शर्मनाक है, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव देश से माफी मांगें।'

तो वहीं राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि 'हमारा कल्चर नहीं है कि हम किसी की मां को गाली दें या अपमान करें लेकिन आज पीएम मोदी रो रहे हैं लेकिन जब इन्हीं के लोग महिलाओं का अपमान करते हैं तो ये चुप क्यों रहते हैं, जब हमारी प्रवक्ता को नंगा घुमाने की धमकी दी गई थी तो ये कहां थे, ये दोहरा चरित्र नहीं

चलेगा।'

तेजस्वी के इस बयान के बाद अचानक से सोशल मीडिया पर सारिका पासवान नाम चर्चित हो गया और लोग उनके बारे में सर्च करने लगे। इसी बीच खुद सारिका पासवन ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो अपलोड करके पीएम मोदी से न्याय मांगते हुए कई सवाल किए हैं।

'एक दलित बेटी,बहन और एक मां हूं मेरे साथ न्याय कब होगा'

उन्होंने वीडियो में कहा कि 'माननीय प्रधानमंत्री @nfarendramodije मैं बिहार की और इस देश की एक दलित बेटी,बहन और एक मां हूं मेरे साथ न्याय कब होगा, न्याय हो भी पायेगा या नहीं , क्या आपकी इस दलित बहन/बेटी के लिए भी बिहार बंद होगा जिसको आपकी पार्टी के लोगों ने सरे बाजार निर्वस्त्र कर के नंगा सड़क पर घुमाने की धमकी दी, अनगिनत रेप थ्रेट कॉल किया गया, आपको छठ मईया कि सौगंध इस दलित बहन/बेटी/मां के साथ न्याय कब होगा!'

आपको बता दें कि सारिका पासवान राजद की प्रवक्ता हैं और दलित समुदाय से आती हैं और लंबे वक्त से RJD के साथ जुड़ी हुई हैं। अपने तीखे बयानों की वजह से भी वो सोशल मीडिया चर्चित रहती हैं और अक्सर टीवी डिबेट में दिखाई देती हैं। जिस घटना का जिक्र यहां हो रहा है वो जून 2025 की है।

'साड़ी -साया खोलकर घुमाने की धमकी दी थी'

दरअसल ये मामला जून 2025 का है। जब Bhumihar Brahman Ekta Manch Foundation के अध्यक्ष आशुतोष कुमार ने उनपर तथाकथितत विवादित टिप्पणी की थी। जिस पर काफी बवाल मचा था। सारिका पासवान के मुताबिक ब आशुतोष कुमार ने उन्हे 'साड़ी और साया खोलकर घुमाने की धमकी दी थी , उन्होंने उसे 100-200 रात बिताने वाली सड़क छाप छपरी' कहा था।' हालांकि बाद में आशुतोष के एक्स अकाउंट से ये पोस्ट बाद में हटा ली गई थी और कहा गया था कि उनका अकाउंट हैक हो गया था लेकिन सारिका पासवान ने उनको आड़े हाथों लिया था और राजद ने भी इस बात के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था।

'दो कौड़ी के लफंगे! तेरी और तेरे खानदान की इतनी औकात नहीं'

तब सारिका पासवान ने एक्स पर लिखा था कि 'दो कौड़ी के लफंगे! तेरी और तेरे खानदान की इतनी औकात नहीं कि दलित-बहुजन की बेटी की तरफ आंख उठा कर देख सको।' उनकी पोस्ट के बाद पटना के एससी-एसटी पुलिस स्टेशन में आशुतोष के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। हाल ही में पीएम मोदी के साथ आशुतोष कुमार की तस्वीरें वायरल हुई, जिसकी वजह से ये मुद्दा फिर से गर्म हो गया। गौरतलब है कि आशुतोष कुमार ब्राह्मण भूमिहार एकता मंच के राष्ट्रीय संयोजक हैं और हाल ही में बीजेपी में शामिल हुए हैं।

लंबी सुरक्षा कतारों के बीच यूएस ओपन में ट्रंप की उपस्थिति पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

(जीएनएस)।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रविवार को यूएस ओपन पुरुष फाइनल में शामिल हुए, जहाँ उनकी उपस्थिति पर भीड़ ने जयकारे और सीटी बजाकर प्रतिक्रिया दी। आर्थर ऐश स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में ट्रम्प की यात्रा से जुड़ी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण देरी हुई। इन सावधानियों के बावजूद, कई दर्शकों को लंबी कतारों का सामना करना पड़ा और मैच की शुरूआत छूट गई।

यूएस ओपन के फाइनल में ट्रम्प को हूटिंग का सामना करना पड़ा

ट्रम्प, सूट और लाल टाई में सजे हुए, मैच शुरू होने से लगभग 45 मिनट पहले अपने सुइट से संक्षिप्त रूप से प्रकट हुए। उनकी उपस्थिति बिना घोषणा के और संक्षिप्त थी, जिसके परिणामस्वरूप कुछ दर्शकों ने इसे मिस कर दिया। वह राष्ट्रगान से पहले फिर से दिखाई दिए, जिससे दर्शकों से और अधिक सीटी बजी। राष्ट्रगान के दौरान, ट्रम्प ने सलामी दी और उन्हें स्टेडियम की बड़ी स्क्रीन पर दिखाया गया, जिससे भीड़ की प्रतिक्रिया और तेज हो गई।

राष्ट्रगान के बाद, ट्रम्प ने पास में मौजूद समर्थकों के एक छोटे समूह को स्वीकार किया, इससे पहले कि वह स्पेन के कार्लोस अल्काराज और इटली के जेनिक सिनर के बीच मैच देखने के लिए सुइट की बालकनी पर बैठ गए। पूरे खेल के दौरान, ट्रम्प ने ज्यादातर तालियाँ बजाने से परहेज किया, यहाँ तक कि उन महत्वपूर्ण अंकों के दौरान भी जिससे भीड़ उत्साहित हो गई। पहले सेट के बाद बड़ी स्क्रीन पर उनकी उपस्थिति ने और जोरदार सीटी बजाई, जिसका उन्होंने एक मुट्ठी उठाकर जवाब दिया।

मैच की शुरूआत को सीक्रेट सर्विस द्वारा सुरक्षा जांच को समायोजित करने के लिए आधा घंटा देरी से शुरू किया गया। इन उपायों के बावजूद, कई प्रशंसक खेल शुरू होने के बाद भी बाहर ही रहे। सीक्रेट सर्विस ने बाद में एक बयान जारी कर स्वीकार किया कि ट्रम्प की सुरक्षा के लिए व्यापक प्रयासों की आवश्यकता थी, जिसके कारण देरी हुई होगी।

ट्रम्प ने रोलेक्स के एक अतिथि के रूप में भाग लिया, जबकि उन्होंने अपने प्रशासन के दौरान स्विस उत्पादों पर उच्च शुल्क लगाया था। यू एस टेनिस एसोसिएशन ने प्रसारणकर्ताओं से कोर्ट के बाहर की गड़बड़ी को प्रदर्शित करने से बचने का अनुरोध करके नकारात्मक प्रतिक्रियाओं को कम करने की कोशिश की। हालाँकि, ट्रम्प की उपस्थिति ने आयोजन के दौरान कोई बड़ी गड़बड़ी पैदा नहीं की।

यह यात्रा जनवरी में पदभार संभालने के बाद से प्रमुख खेल आयोजनों में भाग लेने के ट्रम्प के पैटर्न का हिस्सा है। रविवार के मैच से पहले, उन्होंने न्यू ऑरलियन्स में सुपर बाउल और मियामी और नेवार्क में यूएफसी फाइट्स जैसे आयोजनों में भाग लिया। हालाँकि कुछ भीड़ ने इन आयोजनों में उनका अभिवादन किया, अन्य ने अस्वीकृति व्यक्त की।

राष्ट्रपति ने रोलेक्स के निमंत्रण को स्वीकार किया, जबकि स्विस सामान पर 39 प्रतिशत का शुल्क लगाया जो यूरोपीय संघ और ब्रिटिश निर्यात पर अमेरिका में लगाए गए शुल्क से काफी अधिक है। व्हाइट हाउस ने एक कॉर्पोरेट निमंत्रण को स्वीकार करने पर ट्रम्प की टिप्पणी नहीं की, लेकिन राजनीतिक फैसलों के साथ व्यक्तिगत व्यावसायिक हितों को बढ़ावा देने के उनके इतिहास पर ध्यान दिया।